MODEL QUESTION PAPER SET- 1 : 2021 - 22

STD 10TH – HINDI-ENTIRE- (THEORY)

MM : 80 **Time : 3 Hrs**

ENTIRE SYLLABUS :

सूचनाएँ:

१. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

२.सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

३. उपयोजित लेखन में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

४. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग १ – गद्य **[२० अंक]**

प्र.१. (अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[८]**

१) आकलन कृति ।

i) आकृति पूर्ण कीजिए। ०२

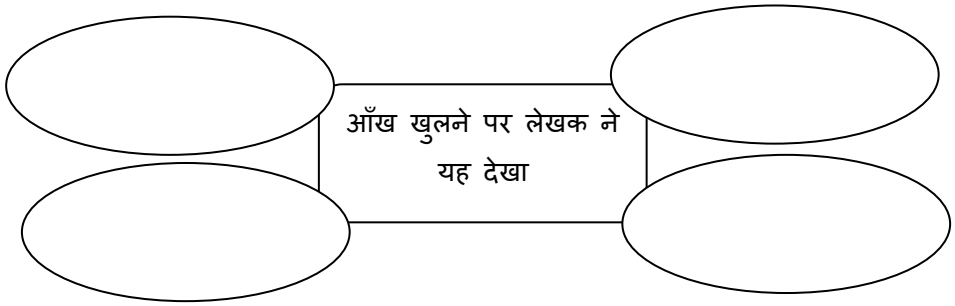

आँख खुली तो मैंने अपने-आपको एक बिस्तर पर पाया। इर्द-गिर्द कुछ परिचित-अपरिचित चेहरे खड़े थे। आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई। मैंने कराहते हुए पूछा- "मैं कहाँ हूँ ?"

"आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं। आपका ऐक्सिडेंट हो गया था। सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है। अब घबराने की कोई बात नहीं।" एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसीलिए रुका रहा। अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ। मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही-सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी। मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ। 'टाँग का टूटना' यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं काँप उठा। अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया। अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे । ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है।

ii) अंतर स्पष्ट कीजिए**:** ०२

१) प्राइवेट अस्पताल	अ) सार्वजनिक अस्पताल
.....	.....
२) प्राइवेट वार्ड	ब) जनरल वार्ड
.....	.....

iii) शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए। ०२

१) वह स्थान जहाँ अनेक प्रकार के पशु-पक्षी रखे जाते है **-.....**

२) जहाँ मुफ्त में भोजन मिलता है **-.....**

iv) सार्वजनिक अस्पतालों में मरीजो को होने वाली पेरशानियों के विषय में अपने विचार लिखिए। ०२

प्र.१. (आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [८]

तिवारी जी **:** नागर जी**,** मैं आपको आपके लेखन के आरंभ काल की ओर ले चलना चाहता हूँ। जिस समय आपने लिखना शुरू किया उस समय का साहित्यिक माहौल क्या था **?** किन लोगों से प्रेरित होकर आपने लिखना शुरू किया और क्या आदर्श थे आपके सामने **?**

नागर जी **:** लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था । सनेही जी**,** अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं । छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी' । उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था**,** कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े । शरतचंद्र को बाद में । प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा । उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास १९३० में ही पढ़ डाले । 'आनंदमठ'**,** 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास**,** उसी समय पढ़ा था ।

तिवारी जी **:** क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे **?**

नागर जी : नहीं**,** कोई आदर्श नहीं । केवल आनंद था पढ़ने का । सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय १९२८-१९२९ में । लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी 'कब लौं कहौं लाठी खाय' **!** इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए**:** **2**

(i) नागर जी के सामने इनका साहित्य था **-** [ ]

(ii) नागर जी ने शुरू में इन्हें पढ़ा - [ ]

(iii) नागर जी का पहला मित्र यह था **-** [ ]

(iv) नागर जी की पहली कविता का शीर्षक यह था **-** [ ]

(2) उचित जोड़ियाँ मिलाइए **2**

रचना	रचनाकार
(i) देशी और बिलायती	(1) बकिमंचंद्र चटर्जी
(ii) आनंदमठ	(2) प्रभातकुमार मुखोपाध्याय
(iii) अपशकुन	(3) बंकिमचंद्र चटर्जी
(iv) देवी चौधरानी	(4) अमृतलाल नागर

(3) **(i)** लिंग परिवर्तन कीजिए **1**

(I) लेखक **(II)** कवि

(ii) परिच्छेद से ऐसे दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता **1**

(4) 'ज्ञान तथा आनंद प्राप्ति का साधन वाचन' विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

प्र.१. (इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [४]

हिंदू धर्म में प्रयाग का एक विशेष महत्त्व है। उत्तर प्रदेश में स्थित यह स्थान तीर्थों का राजा प्रयागराज के नाम से विख्यात है। धार्मिक ग्रंथों में नामकरण के संदर्भ में लिखा है कि पृथ्वी से पाप को खत्म कर उसे बचाने के लिए ब्रह्मा, विष्णु व महेश ने मिलकर यहाँ बहुत बड़ा यज्ञ किया था। त्रिदेवों के आशीर्वाद से यहाँ अक्षयवट उत्पन्न हुआ। जनश्रुतियों की माने तो औरंगजेब ने इस वटवृक्ष जो अक्षयवट के नाम से जाना जाता है, उसे नष्ट करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हुआ। यह वृक्ष आज भी प्रयाग में खड़ा है। यहाँ तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना व सरस्वती का संगम होता है। इसी संगम पर महाकुंभ का मेला लगता है। यहाँ त्रिवेणी के संगम में स्नान कर इंसान की आत्मा पवित्र हो जाती है और अद्‌भुत आध्यात्मिक सुख प्राप्त होता है। यहाँ अनगिनत मंदिर हैं, इनमें अलोपी देवी मंदिर, नाग वासुकी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, ललिता मंदिर, तक्षकेश्वरनाथ मंदिर व भगवान हनुमान जी का भी एक प्राचीन मंदिर शामिल है। कहा जाता है कि अकबर ने अपने शासनकाल में इस स्थान का नाम बदलकर इलाहाबाद रखा था और तभी से प्रयाग को इलाहाबाद के नाम से ख्याति मिली।

१. संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

परिच्छेद में आए भगवानों के नाम				

२. प्रयाग जैसे ही किसी तीर्थस्थल के बारे में आठ से दस वाक्य लिखिए। **(२)**

विभाग २ – पद्‌य १२अंक

प्र.२. **(अ)** निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए**:** **[६]**

घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा ।।
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं। खल के प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध विद्‌या पाएँ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसे।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई। जस थोरेहुँ धन खल इतराई ।।
भूमि परत भा ढाबर पानी जनु जीवहिं माया लपटानी।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलावा। जिमि सदगुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई। होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

१. संजाल पूर्ण कीजिए**:** **(२)**

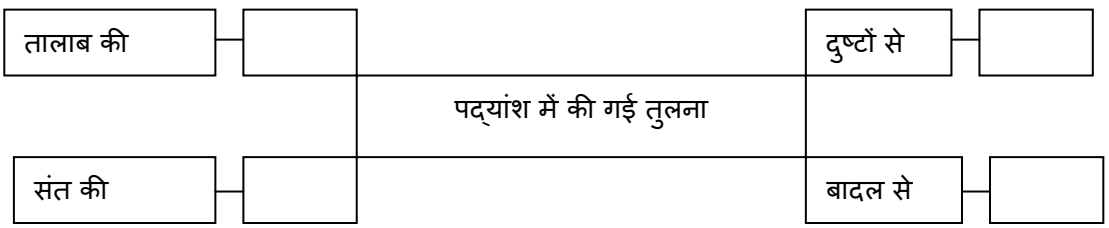

२. **i.** निम्नलिखित शब्दों के विरुद्‌धार्थी शब्द लिखिए**:** **(१)**

१. मन २. सज्जन

ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए**:** **(१)**

१. नदी २. सरिता

३. पद्‌यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **(२)**

प्र.२. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [६]

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।
चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।
सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।
जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।
आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो।

१. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों: (२)

१. स्वर्णिम २. आसमान

२. **i.** निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए शब्द लिखिए: (१)

१. मात्र २. दर्पण

ii. निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए: (१)

१. पत्थर २. शहर

३. पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। (२)

विभाग ३ - पूरक पठन **८ अंक**

प्र.३. (अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[४]**

मन-ही-मन इसी प्रकार का विचार कर वह बुलाने की प्रतीक्षा करने लगीं। उन्हें एक-एक पल, एक-एक युग के समान मालूम होता था। धीरे-धीरे एक गीत गुनगुनाने लगीं। उन्हें मालूम हुआ कि मुझे गाते देर हो गई। क्या इतनी देर तक लोग भोजन कर ही रहे होंगे। किसी की आवाज नहीं सुनाई देती। अवश्य ही लोग खा-पीकर चले गए। मुझे कोई बुलाने नहीं आया। रूपा चिढ़ गई है, क्या जाने न बुलाए। सोचती हो कि आप ही आएँगी, वह कोई मेहमान तो नहीं जो उन्हें बुलाऊँ। बूढ़ी काकी चलने के लिए तैयार हुई। यह विश्वास कि एक मिनट में पूड़ियाँ और मसालेदार तरकारियाँ सामने आएँगी, उनकी स्वादेंद्रियों को गुदगुदाने लगा। उन्होंने मन में तरह-तरह के मनसूबे बाँधे, पहले तरकारी से पूड़ियाँ खाऊँगी, फिर दही और शक्कर से, कचौड़ियाँ रायते के साथ मजेदार मालूम होंगी। चाहे कोई बुरा माने चाहे भला, मैं तो माँग-माँगकर खाऊँगी, लोग यही न कहेंगे कि इन्हें विचार नहीं? कहा करें, इतने दिन के बाद पूड़ियाँ मिल रही हैं तो मुँह जूठा करके थोड़े ही उठ जाऊँगी !

१. कृति पूर्ण कीजिए: (२)

बूढ़ी काकी को ललचाने वाले व्यंजन			

२. 'एक-एक पल, एक-एक युग के समान लगना', इस संदर्भ में अपने विचार लिखते हुए एक उदाहरण दीजिए। (२)

प्र. ३. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[४]**

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा का काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें
झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।
भारत माता के रथ के हैं हम दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये।
हम उस धरती की संतति हैं....

१. **i.** आकृति पूर्ण कीजिए: **(१)**

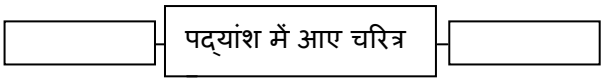

ii. आकृति पूर्ण कीजिए: **(१)**

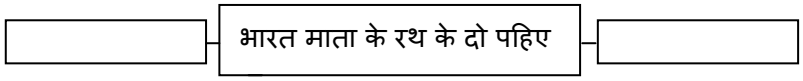

२. लिंग भेदभाव पर अपने विचार लिखिए। **(२)**

विभाग ४ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) १४ अंक

प्र. ४ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए: **(१)**

स्वयं अपना काम करना चाहिए।

२. निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(दो में से कोई एक)** **(१)**

i. बाप रे ! **ii.** व

३. तालिका पूर्ण कीजिए: **(दो में से कोई एक)** **(१)**

क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
i.	विश्वामित्र	_____	_____
ii.	_____	सम् + भव	_____

४. निम्नलिखित वाक्य में से सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **(दो में से कोई एक)** **(१)**

i. कई धंधे सिखाए गए। **ii.** यही क्रम चलता रहा।

५. निम्नलिखित क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए: **(दो में से कोई एक)** **(१)**

i. फैलना_____ **ii.** जीना

६. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(१)**

(दिन कटना, ठेस लगना)

अपनी कला का अपमान होते देखकर माधव दुखी हो गया।

७. निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(१)**

तुम्हारे बदन के सारे गहने उतरवा लिए।

८. निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: **(१)**

विविध गुणों दुर्गणों को भी दर्शाया गया है।

९. निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **(तीन में से कोई दो)** **(२)**

i. ये आवाज भी आपका ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। **(अपूर्ण भूत काल)**

ii. चिड़ियाँ वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। **(अपूर्ण वर्तमान काल)**

iii. वह उसका बुरा न मानता। **(सामान्य भविष्य काल)**

१०. **i.** निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए: **(१)**

रूपा उस समय कार्य भार से उद्‌विग्न हो रही थी।

ii. निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए: **(१)**

मैं वहाँ जा रहा हूँ। **(प्रश्नार्थक वाक्य)**

११. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्‌ध करके लिखिए: **(२)**

i. इस स्वर्गिय द्रश्य का आनंद लेने में निमग्न थी।

ii. कंपास बाक्स भी मंगाकर रखा है।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन २६ अंक

प्र. ५. (अ)

१. पत्र-लेखन: **(५)**

निम्नलिखित जानकारी का उपयोग कर पत्र लिखिए:

छोटे भाई को पढ़ाई में परिश्रम करने के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लिखिए:

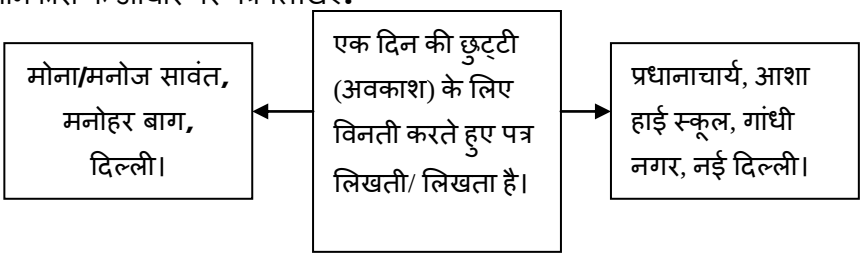

२. गद्‌य-आकलन (प्रश्न निर्मिति): (४)

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों:

जीवन में अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें सतत आगे बढ़ते रहना चाहिए। किसी भी लक्ष्य की राह आसान नहीं होती है। जब परिस्थितियाँ विपरीत हो जाती हैं, तब हमारा मन घबराने लगता है। जब ऐसा होने लगे तब हमें अपने मन को मजबूत बनाने की आवश्यकता होती है। हमें इन परिस्थितियों का विश्लेषण करना चाहिए। किसी अन्य को दोष देना व्यर्थ है। दुर्बलता स्वयं में ही होती है। अपनी विफलता के लिए हर समय परिस्थितियों को दोष देना उचित नहीं है। अतः अपनी कमियों का अवलोकन कर उन्हें दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए। इसके लिए संबंधित पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। अपने से बड़ों की सलाह और मित्रों का सहयोग लेना चाहिए। हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। दृढ़ इच्छाशक्ति से परिस्थितियाँ भी अनुकूल हो जाती है। निरंतर प्रयत्न करने से ही विपरीत परिस्थितियों से जूझने और उनसे ऊपर उठने की शक्ति मिलती है।

५. (आ) १. वृत्तांत लेखन: (७०-८० शब्द)

नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लिखिए: **(५)**

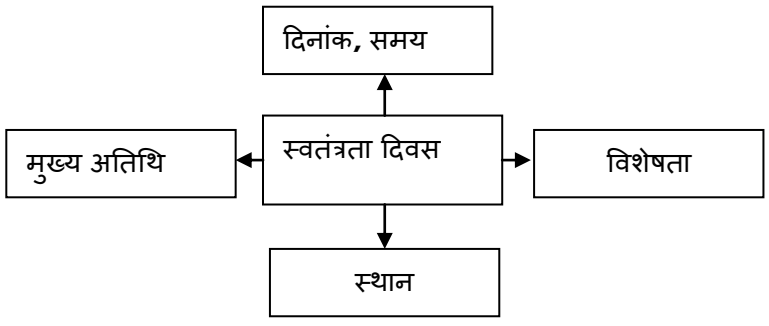

अथवा

कहानी-लेखन: (७० से ८० शब्द) **(५)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर एक रोचक कहानी गठित कीजिए और कहानी से प्राप्त सीख का उल्लेख कीजिए**:**

एक किसान--------- खेत में फसल न होना*-------*साँप देखना*------* उसकी सेवा करना------- बिल के पास सोने का सिक्का *-----*

बेटे को दूध रखने के लिए कहना*------* बिल को खोदना*------* लड़के को डँसना------सीख।**.**

२**.** विज्ञापन-लेखन**: (**५० से ६० शब्द**)**

सुंदरी साबुन का आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(५)**

प्र. ५. (इ) निबंध लेखन: **(७)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए:

१**.** मेरा प्रिय खिलाड़ी २**.** सड़क की आत्मकथा ३**.** नदी किनारे दो घंटे

Together we will make a difference